

बेंगलुरु में सीजेपी का प्रदर्शन

- दीपके ने वोट चोर के नारे लगाए; कल- वन नेशन, वन पार्टी भाजपा का मकसद

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में गुरुवार को कांक्रोच जनता पार्टी का प्रदर्शन हुआ। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके, यूट्यूबर ध्रुव राठी और एक्टर प्रकाश राज एसआईआर रह करने और सीईसी ज्ञानेश



कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए।

दीपके ने प्रदर्शनकारियों से 'नरेंद्र मोदी वोट चोर' और 'एसआईआर रह करो' के नारे लगावाकर अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा- पीएम मोदी ने वोट चोरी करके चुनाव जीता। जिंदा लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। यह लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का नारा देती है, जबकि उनका मकसद 'वन नेशन, वन पार्टी' बनाने का है।

वाराणसी में शिंजो आबे मेमोरियल कारिडोर का उद्घाटन

भारत-जापान मित्रता को मिलेगा सम्मान : पीएम मोदी

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को जापान के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे से मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने कहा कि उनसे मिलकर उन्हें खुशी हुई। भारत के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव की वह बहुत कद्र करते हैं।



मोदी ने शिंजो आबे को भारत का करीबी मित्र और दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके अनुसार, वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में कल 'आबे मेमोरियल कारिडोर' का उद्घाटन भारत-जापान मित्रता में आबे के अमूल्य योगदान के प्रति उचित सम्मान होगा। प्रधानमंत्री ने अकी आबे के साथ अपनी मुलाकात और कारिडोर के उद्घाटन को भारत-जापान संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। उनके संदेश में शिंजो आबे के योगदान और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव के प्रति सराहना व्यक्त की गई।

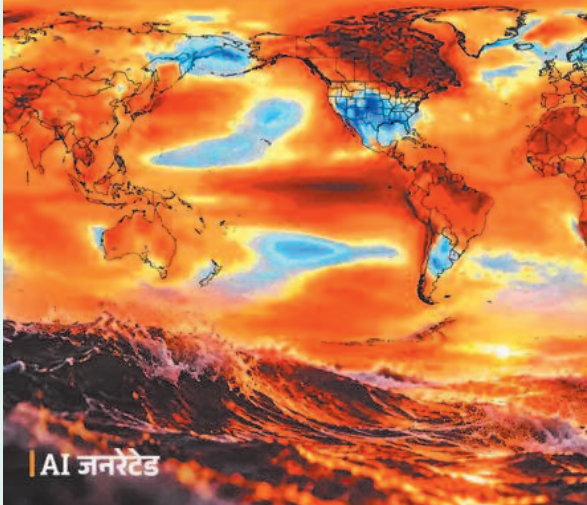
76 साल में सबसे ज्यादा गर्म हुआ प्रशांत महासागर

सुपर अल नीनो से धरती पूरी लाल, 4.5 लाख मौतों की वजह बन सकता है

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुनिया इस समय बेहद ताकतवर अल नीनो का सामना कर रही है। प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री ज्यादा पहुंच गया है। यह 1950 के बाद का सबसे मजबूत अल नीनो बताया जा रहा है। मौसम विशेषज्ञ इसे 'सुपर-डुपर अल नीनो' कह रहे हैं।

इससे दुनिया के कई हिस्सों में ज्यादा गर्मी, सूखा या भारी बारिश हो सकती है। शिकागो यूनिवर्सिटी के क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस अल नीनो से जून 2026 से फरवरी 2027 के बीच दुनियाभर में करीब 4.51 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं।

ज्यादा गर्मी से हीट स्ट्रोक और दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं बारिश का पैटर्न बिगड़ने से कहीं पानी की कमी तो कहीं बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है।



नवशों में धरती का ज्यादातर हिस्सा लाल दिखा- मौसम विज्ञानी रयान माउ ने पूरी दुनिया का एक जलवायु नक्शा सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें धरती का बड़ा हिस्सा लाल रंग में दिखाई दे रहा है, जो सामान्य से ज्यादा गर्म परिस्थितियों को दिखाता है। माउ के मुताबिक, अल नीनो सर्दियों में भी 'अधिकतम ताकत' के साथ बना रह सकता है। उन्होंने इसके फरवरी 2027 तक जारी रहने के डब्ल्यूएमओ के अनुमान से भी सहमति जताई है।

डब्ल्यूएमओ ने जलवायु परिवर्तन को लेकर चेताया

संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक, 2026 के आखिरी महीनों में दुनिया के बड़े हिस्से में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से ऊपर रहने की बहुत ज्यादा संभावना है। जलवायु वैज्ञानिक जीक हाउसफादर ने कहा कि इस साल का अल नीनो ऐसे स्तर की ओर बढ़ रहा है, जो पहले दर्ज नहीं किया गया। वहीं मौसम विशेषज्ञ लियोन सिम्स ने इसे 'सुपर-डुपर अल नीनो' कहा है।

अल नीनोक्या है

अल नीनो-दक्षिणी दोलन (इपेनएसओ) दुनिया के मौसम को प्रभावित करने वाला प्राकृतिक जलवायु चक्र है। अल नीनो इसका गर्म चरण है। इसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से का समुद्री पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। इस बदलाव का असर प्रशांत क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तापमान और बारिश का पैटर्न बदल सकता है। कहीं सूखे की स्थिति बन सकती है तो कहीं सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। अल नीनो आमतौर पर 2 से 7 साल के अंतराल पर आता है।

मोबाइल कांग्रेसमें पीएम मोदी बोले-

मोबाइल गुड गवर्नेंस का बड़ा औजार बना

बैंक, अस्पताल अब फोन में, इससे 5 लाख करोड़ गलत हथों में जाने से बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि आज सरकार की बैंक, अस्पताल, सरकारी दफ्तर जैसी सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल पर हैं।

वहीं उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इस सिस्टम की वजह से बिचौलियों और फर्जीवाड़े पर रोक लगी और लगभग 5 लाख करोड़ रुपए गलत हथों में जाने से बच गए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस का एआई और 6 प्रतिशत पर फोकस रहेगा। 2017 में हुआ पहला इवेंट सिर्फ भारत पर फोकस था, अब 100 से ज्यादा देश शामिल हुए हैं।



अब सिर्फ बातचीत का साधन नहीं रहा मोबाइल

पीएम मोदी ने कहा कि आज मोबाइल फोन केवल गपशप या चैट करने का जरिया नहीं रह गया है, बल्कि यह आम लोगों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। भाषा या दूरी की रुकावटें खत्म हो गई हैं। अब लोगों को दफ्तरों के चक्कर काटने और लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बच रहा है।

4 दिन पहले कहा था- नहीं जानता, कल रहूं या नहीं; गोवा में कार्डियक अरेस्ट से निधन

पुणे में होगा नाना पाटेकर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक सीपीआई दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। अंतिम संस्कार पुणे के फॉर्महाउस में होगा।

मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के

वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। अब शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। नाना पाटेकर की सामाजिक संस्था नाम फाउंडेशन के सीईओ गणेश थोरात ने बताया कि एक्टर का पार्थिव शरीर शाम 5 बजे तक फार्महाउस पहुंच सकता है। यहाँ अंतिम दर्शन की भी व्यवस्था की जाएगी।

नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, 'हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहाँ रहूँगा या नहीं।'



- 'परिदा' में बिलेन बने, 3 नेशनल अवॉर्ड- नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्मों की। 1989 की फिल्म 'परिदा' में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की 'क्रांतिवीर' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। 1996 की 'अग्निशक्ती' के लिए भी उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इस तरह उन्हें करियर में 3 नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिले। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए नाना पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

कनाडाई लेखिका ऐन कार्सन को साहित्य का नोबेल पुरस्कार

नईदिल्ली (एजेंसी)। कनाडाई लेखिका ऐन कार्सन को 2026 का नोबेल पुरस्कार (साहित्य) दिया गया है। नोबेल कमेटी ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। उन्हें यह सम्मान शास्त्रीय परंपरा के साथ रचनात्मक संवाद करते हुए समकालीन साहित्य के लिए नए रूप गढ़ने वाले उनके



साहित्य और आधुनिक लेखन के बीच संवाद देखने को मिलता है। स्वीडिश अकादमी साहित्य में नोबेल पुरस्कार विजेता के नाम की घोषणा कर दी है। नोबेल कमेटी के मुताबिक, 2026 में कनाडाई लेखिका ऐन कार्सन को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

ज्ञानेश कुमार के सपोर्ट में 42 पूर्व जजों का लेटर

एसआईआर को सही बताया, लिखा- बिना सबूत वोट चोरी के आरोप लोगों का भरोसा घटा सकते हैं



नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व जजों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार का समर्थन किया है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की।

पूर्व जजों ने एक लेटर पर साइन किए हैं। इसमें कहा गया है कि शिकायतें लोकतांत्रिक और कानूनी तरीकों से उठाई जानी चाहिए। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को भी सही बताया है।

आलोचना का अधिकार, बदनाम करने का नहीं' : 42 पूर्व जजों ने खुले पत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य

सांविधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिशों पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने बिना सबूत वोट चोरी जैसे आरोपों और संस्थाओं को चोर या समझौता कर चुकी बताने पर सवाल उठाए। पूर्व जजों ने कहा कि आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन बदनामी नहीं। उन्होंने लोकतंत्र और सांविधानिक संस्थाओं को लेकर क्या चेतावनी दी है? पत्र में क्या कुछ लिखा है?

लखनऊ के मॉल में पानी घुसा, फर्रुखाबाद में ओले गिरे

- यूपी के 42 जिलों में बारिश का अलर्ट, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बिजली गिरने से 3 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड, हिमाचल, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ और झारखंड के आसपास बने ऊपरी हवा के साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण कई क्षेत्रों में बनी टूफ के कारण मौसम एक बार फिर बदल गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के चलते ही छत्तीसगढ़ के 29 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। यहाँ 60किमी की रफ्तार



से हवाएं चलेंगी। बिजली गिरने से बिलासपुर में 3 लोगों की मौत हो गई।

यूपी में बाढ़ के बीच फिर से मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर और सुल्तानपुर समेत 5 शहरों में सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। फर्रुखाबाद में ओले गिरे हैं।इधर, गोमती नदी का पानी 10वें दिनों भी बढ़ रहा है। प्लासियो मॉल के चारों ओर पानी भर गया है। राज्य में आज 42 जिलों में बारिश का अलर्ट है। उत्तराखंड के चमोली में भारी बर्फबारी से हेमकुंड साहिब धाम बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है।राजस्थान समेत उत्तर के 8 राज्यों में 12 अक्टूबर के बाद से रात में ठंडक बढ़ने लगेगी।

विपक्ष का राजघाट पर मार्च,महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

राहुल गांधी बोले- 300 सांसद शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहते हैं



नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पिछले दो दिन से सियासत का एक ही पैटर्न दिख रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गो विपक्षी सांसदों को लंच पर बुलाते हैं, सांसद खाना खाते हैं, फिर बसों में बैठकर निकल जाते हैं। राजघाट पहुंचकर महात्मागांधी को श्रद्धांजलि दी। फर्क इतना है कि बुधवार को मंजिल जंतर-मंतर थी और गुरुवार को राजघाट। कल धरना देने की कोशिश करते राहुल-प्रियंका को पुलिस ने उठाया था।

राहुल के साथ सपा और टीएमसी समेत विपक्षी दलों के सांसद हैं। खाना होने से पहले खड़गो ने कहा कि राजघाट जाकर बापू से सरकार को सबबुद्धि देने की प्रार्थना करेंगे। राहुल ने दावा किया कि उनके साथ 300 से ज्यादा सांसद हैं।

दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि राज्यसभा और

लोकसभा के करीब 300 सांसद शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें लगातार दो दिनों से प्रदर्शन करने से



रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि पहले दिन सांसदों को निर्वाचन आयोग के बाहर रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की इच्छा जताई, लेकिन वहां भी उन्हें रोक दिया गया। राहुल ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके



साथियों के साथ मारपीट की गई। राहुल गांधी ने राजघाट पहुंच कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

खरगे बोले- हमारा राजघाट पर शांतिपूर्ण धरना है

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता गांधी स्मारक जा रहे हैं, जहां वे शांतिपूर्ण तरीके से धरना देकर वहां प्रार्थना की जाएगी कि भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यह समझने की सबुद्धि मिले कि उनके फैसले देशहित में नहीं हैं। खरगे ने कहा कि 'वोट चोरी', बदली महंगाई, युवाओं की समस्याओं और अन्य मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के हितों के खिलाफ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश को आजादी महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे नेताओं के संघर्ष से मिली थी।

खाद्य पदार्थों के उपभोग में पूरे विश्व को आज भारत जैसे संयम की आवश्यकता है

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

वर्ल्ड वाइड फंड फार नेचर जिसे विश्व वन्यजीव कोष भी कहा जाता है, के एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि विश्व यदि भारत की तरह खाद्य पदार्थों की खपत करता है तो प्रकृति द्वारा इस धरा पर उपलब्ध कराई गई खाद्य सामग्री की आपूर्ति को वर्ष 2050 तक पर्याप्त मात्रा में सुनिश्चत किया जा सकता है। परंतु, विश्व में यदि अर्जेंटीना की तरह खाद्य सामग्री का उपभोग किया जाता है तो खाद्य पदार्थों की आपूर्ति हेतु इस एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि वर्ष 2050 तक इसी प्रकार की 7.42 पृथिव्यों की आवश्यकता होगी। इसी क्रम में, कई प्रमुख देशों में खाद्य पदार्थों की आवश्यकता होगी और इंडोनेशिया की तरह खाद्य पदार्थों का उपभोग करने का प्रयास किया गया है कि यदि पूरा विश्व इन देशों की तरह ही खाद्य पदार्थों का उपभोग करना प्रारम्भ कर दे तो वर्ष 2050 तक विश्व को कितनी पृथिव्यों की आवश्यकता होगी। भारत की तरह खाद्य पदार्थों का सेवन करने पर 0.84 पृथिव्यों की आवश्यकता होगी और इंडोनेशिया की तरह खाद्य पदार्थों का उपभोग करने पर 0.90 पृथिव्यों की आवश्यकता होगी इसी प्रकार, चीन की तरह – 1.77 पृथ्वी; जापान की तरह – 1.86 पृथ्वी; सऊदी अरब की तरह – 2.08 पृथ्वी; तुर्की की तरह – 2.11 पृथ्वी; दक्षिण कोरीया की तरह – 2.30 पृथ्वी; दक्षिण अफ्रीका की तरह – 2.94 पृथ्वी; मैक्सिको की तरह – 3.03 पृथ्वी; जर्मनी की तरह – 3.36 पृथ्वी; रूस की तरह – 3.42 पृथ्वी; यूरोपीय यूनियन की तरह – 3.52 पृथ्वी; यूके की तरह – 3.98 पृथ्वी; कनाडा की तरह – 4.50 पृथ्वी; इटली की तरह – 4.64 पृथ्वी; फ़ान्स की तरह – 5.02 पृथ्वी; बाजील की तरह – 5.21 पृथ्वी; अमेरिका की तरह – 5.55 पृथ्वी; ऑस्ट्रेलिया की तरह – 6.83 पृथ्वी एवं अर्जेंटीना की तरह – 7.42 पृथिव्यों की आवश्यकता होगी।

दरअसल, भारत में सनातन संस्कृति के संस्कारों के अंतर्गत खाद्य सामग्री के संयमित उपयोग को महत्व प्रदान किया जाता है, जिससे खाद्य पदार्थों का निर्माण आवश्यकता के अनुसार ही किया जाता है और इसकी बर्बादी को रोकने के भरपूर प्रयास किए जाते हैं। दूररे, संयुक्त परिवार के चलते चार सदस्यों के

साथ पांचवा सदस्य अथवा मेहमान भी समयोजित हो जाता है। अतः खाद्य पदार्थों का सर्वोत्तम उपयोग सम्भव होता है। बचपन में ही नागरिकों में यह संस्कार दिए जाते हैं कि पृथ्वी से उतना ही लें जितना आवश्यक है, अर्थात्, प्रकृति का शोषण नहीं करें। तीसरे, भारत में शाकाहार का अनुपालन करने वाले नागरिकों की संख्या बहुत अधिक है एवं मांसाहार का उपयोग भी सीमित मात्रा में ही किया जाता है, जिससे पशु एवं पक्षियों की संख्या पर किसी प्रकार का विपरीत प्रभाव नहीं दिखाई देता है।

स्वामी विवेकानंद जी वर्ष 1893 से 1897 के बीच चार वर्षों तक सनातन संस्कृति के संस्कारों से पश्चिमी देशों के नागरिकों को अवगत कराने के उद्देश्य से पश्चिमी देशों में प्रवास पर गए थे। उस खंडकाल में भारतीय संस्कारों के प्रति पश्चिमी जगत में कई प्रकार की भ्रांतियां थीं। इन भ्रांतियों को दूर करने में उन्हें बहुत सफलता मिली थी। अमेरिका में आयोजित धर्म संसद में तो स्वामी विवेकानंद जी के उदबोधन, जिसकी शुरुआत, ‘अमेरिका में मेरे प्रिय भाईयों और बहनों’ कहने भर से लगभग 3 मिनट तक तालियां बजाकर, नागरिकों ने उनका अभिवादन किया था। इसी क्रम में, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम्पूज्य सर संघचालक डा मोहन भागवत जी भी हाल ही में अमेरिका, कनाडा एवं ब्रिटेन देशों की यात्रा पर सनातन संस्कृति के संस्कारों से इन देशों के नागरिकों को अवगत कराने के उद्देश्य से प्रवास पर गए थे। डॉक्टर साहब ने प्रकृति का दोहन करने एवं शोषण नहीं करने का विषय भी वैश्विक स्तर पर पर्यावरण की लगातार बिगड़ रही स्थिति को सम्हालने के संदर्भ में उठाया था। डा भागवत जी ने अपने प्रवास के दौरान इस बात की चर्चा भी की है कि सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन कर न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व की समस्याओं का हल निकाला जा सकता है।

विकसित देशों में पुंजीवाद की व्यवस्था के चलते नागरिकों में ‘मैं’ की भावना रहती है एवं वे केवल अपने विकास की बात करते दिखाई देते हैं एवं पदार्थों का अधिकतम उपभोग करते हैं। ईसाई एवं इस्लाम धर्मों में पुनर्जन्म की व्यवस्था पर विश्वास नहीं किया जाता है एवं जो कुछ करना है इसी जन्म में भोगना है, अर्थात् जो कुछ करना है आज ही करना है कल किसने देखा है, की मानसिकता से अपना जीवन यापन करते हैं, जिससे पदार्थों

का उपभोग उच्च स्तर तक जाकर करते हैं। इसके विपरीत भारतीय नागरिक ‘हम’ की भावना के साथ परिवार के बीच मिलकर रहते हैं। उपभोक्ता के रूप में विभिन्न पदार्थों की प्रति व्यक्ति खपत विकसित देशों की तुलना में बहुत कम है और सनातन संस्कृति में पुनर्जन्म की व्यवस्था पर विश्वास किया जाता है, जिसके चलते भारतीय नागरिक पदार्थों का उपभोग संयम के साथ करते हैं। भारतीय मनीषी एवं विद्वान भी समय समय पर वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों को आगाह करते रहते हैं कि ‘भोगवादी’ बनने के स्थान पर संयमित होकर पदार्थों का उपभोग किया जाना चाहिए। भारत के वेदों एवं पुराणों में भी यह उपदेश दिया गया है कि नागरिकों द्वारा किए जाने वाले ‘कर्म’ एवं ‘काम’, ‘धर्म’ आधारित होने चाहिए एवं संयमित होकर करना चाहिए।

विश्व वन्यजीव कोष की स्थापना 29 अप्रैल 1961 में ग्लैंड, स्विट्जरलैंड में की गई थी। यह एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है। स्थापना के समय इसके मुख्य उद्देश्यों में शामिल था – पर्यावरण संरक्षण करना, लुप्तप्राय प्रजातियों और उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करना, वनों, मीठे पानी के स्त्रोतों (नदियों) और महासागरों का संरक्षण करना, आदि। आज यह संगठन विश्व के 100 से अधिक देशों में लगभग 1300 संरक्षण एवं पर्यावरण से जुड़ी परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। वन्यजीव सप्ताह 2026 के अवसर पर अपने संदेश में, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है कि वनों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मूल्यवान विरासत को सुरक्षित रहखने हेतु आवश्यक है। आपने नागरिकों से वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा में योगदान देने का आग्रह किया है। आपने कहा है कि जानवरों की सुरक्षित आवाजाही और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए जुड़े हुए आवास और वन्यजीव गलियारे आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, राज्यों के सहयोग से, वन्यजीव गलियारों की पहचान और संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए समस्त जीवों का पर्याप्त मात्रा में इस धरा पर रहना आवश्यक है। अन्त्या, कई देशों में तो जीवों की प्रजातियां आज विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई हैं

और कई प्रजातियां तो विलुप्त भी हो गई हैं क्योंकि कई देशों में मांसाहार का अत्यधिक मात्रा में सेवन किया जाता है, जबकि भारत में शाकाहारी भोजन की मांग अधिक रहती है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में सबसे अधिक वनस्पति एवं जीवों की प्रजातियां पाई जाती हैं। नए जंगलों का विकास भी भारत में सबसे अधिक मात्रा में हो रहा है। भारत में तो पशु, पक्षियों, नदियों एवं पहाड़ों की पूजा की जाती है इसलिए भारतीय नागरिकों को प्रकृतिप्रेमी की संज्ञा दी जाती है।

प्रतिवर्ष विश्व वन्यजीव कोष द्वारा वन्यजीव दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 का विषय – जैव विविधता – भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत जैव विविधता से समृद्ध विश्व के 17 विशाल देशों में से एक है और विश्व की जैव विविधता का 7 प्रतिशत भाग इसी देश में है। यहां 15 कृषि जलवायु क्षेत्र, 45,000 विभिन्न पौधों की प्रजातियां हैं जिनमें से 15,000 औषधीय पौधे हैं। इनमे से लगभग 8,000 प्रजातियों का उपयोग भारतीय चिकित्सा प्रणालियों और लोक चिकित्सा प्रणालियों में किया जाता है। भारत के लगभग 70 प्रतिशत औषधीय और सुगंधित पौधे पश्चिमी और पूर्वी घाट, हिमालय और अरावली क्षेत्र के ऊष्णकटिबंधीय जंगलों में पाए जाते हैं। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने 5,250 से अधिक पौधों की प्रजातियों की पहचान की है और विभिन्न रोगों के सम्बंध में उपयोग के लिए 9,567 से अधिक लोक दावों का प्रलेखन किया है। भारत इस समृद्ध विरासत की रक्षा के लिए कड़े कदम उठा रहा है।

औषधीय और सुगंधित पौधों की अपनी विरासत को बचाने में भारत की जड़ें गहरी और दूरदर्शितापूर्ण हैं। पश्चिमी घाट के जंगलों से लेकर विदर्भ के खेतों तक, प्राचीन आयुर्वेदिक ज्ञान से लेकर ई-चरक जैसे आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म तक, देश संरक्षण, आजीविका और स्वास्थ्य सेवाओं को एक मजबूत सूत्र में पिरो रहा है। प्रतिबद्ध संस्थानों, सशक्त समुदायों और समावेशी नीतियों के साथ, भारत न केवल अपनी हरित संपदा को संरक्षित कर रहा है, बल्कि इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए अच्छे स्वास्थ्य, गौरव और समृद्धि के स्त्रोत में बदल रहा है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

पाक जासूसी का संजाल

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कुछ भारतीय चंद रुपयों व अनियंत्रित काम लिप्साओं के चलते राष्ट्रद्रोही गतिविधियों में लिये जाते जाते हैं। ये मामले यदि सेना के अंगों में सामने आते हैं तो मामला बेहद संगीन हो जाता है। आखिर वह क्या मजबूरी है कि कुछ लोग नैतिकता-राष्ट्रभक्ति को ताक पर रख दुश्मन देश को संवेदनशील जानकारी देने लगते हैं। देश में अवसर ऐसे मामले सामने आते हैं जब पाकिस्तान की तरफ से महिलाओं के जरिये जवानों को हनी ट्रैप में फंसाया गया हो। कुछ के खिलाफ कार्रवाई भी हुई, लेकिन ये सिलसिला थमा नहीं है। पिछले दिनों एक बार फिर पाकिस्तानी साजिश से चल रहे एक बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। यह जासूसी नेटवर्क भारतीय नौसेना के ईस्टर्न नेवल कमांड को निशाना बना रहा था। इस गहरी साजिश के पकड़ में आने के बाद हुए खुलासे ने देश की सुरक्षा के लिये खतरे की घंटी बजा दी है। यह संगीन मामला बताता है कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को न सिर्फ आधुनिक तकनीक से, बल्कि इंसान की चारित्रिक दुर्बलताओं से भी बड़ा खतरा है। पाकिस्तानी सेना व खुफिया एजेंसियों का यह संजाल कितना बड़ा था, वह इस बात से पता चलता है कि आंध्र प्रदेश काउंटर इंटेलिजेंस सेल ने नेवल इंटेलिजेंस, एंटी- टेररिज्म स्कूवॉड और 10 राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर यह ‘ऑपरेशन फायरवॉल’ चलाया। व्यापक छानबीन के बाद इस ऑपरेशन में 18 संदिग्धों की पहचान की गई। दुर्भाग्य की बात यह है कि इसमें शामिल लोगों में से 13 नौसेना के कर्मचारी थे। दरअसल, पाकिस्तान की तरफ से जासूसी की साजिश आधुनिक व डिजिटल तकनीक के जरिये अंजाम दी गई। पाकिस्तानी इंटेलिजेंस के लोग फर्जी पहचान का इस्तेमाल करते थे। वे फेसबुक आदि सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिये महिलाओं के तौर पर बात करते थे। ये कथित महिलाएं नौसेना के जवानों को मोहवाश में बांधकर फेसबुक से व्हाट्सएप तक ले जाती थीं। फिर इनकी कमजोर नस पर हाथ रखकर या भयादोहन करके नौसेना की संवेदनशील जानकारी जुटाई जाती थी। आरोप है कि फेसबुक पर सुंदर महिलाओं की फोटो लगाकर, निजी बातचीत करके, रोमांटिक बातों से लुभाकर, वीडियो कॉल और पैसे का लालच देकर लोगों को जाल में फंसाया जाता था। फिर ट्रैप में फंसे लोगों को लालच या भय दिखाकर– नेवी के जहाजों, पनडुब्बियों, कमांडरों और संवेदनशील ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश की जाती थी। इस साजिश में भारतीय सिम कार्ड, चोरी किए गए या शेंयर किए गए व्हाट्सएप एक्टिवेशन ओटीपी और क्रिप्टोकरेंसी से पेमेंट का इस्तेमाल किया जाना बताता है कि जासूसी का नेटवर्क बेहद शांतिर और व्यवस्थित तरीके से चलाया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि हमारी सुरक्षा के लिये तैनात चंद काली भेड़ें पाकिस्तान के जासूसी संजाल में फंसकर राष्ट्रीय हितों पर कुठाराघात कर रही थीं। गाहे-बगाहे ऐसे मामले समाचारों की सुर्खियों में नजर आते रहते हैं। वर्ष 2019 में, ‘ऑपरेशन डॉल्फिन नोज’ ने पाकिस्तान से संचालित ऐसे ही रैकेट का पर्दाफाश किया था। इस जासूसी नेटवर्क की नजर ईस्टर्न नेवल कमांड पर थी। निरसंदेह, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति यह बताती है कि काउंटर-इंटेलिजेंस का काम सिर्फ गिरफ्तारियों से ही पूरा नहीं हो जाता है।

(लेखक-डॉ हिदायत अहमद खान)

मंचीय अभिनय से सिनेमा जगत का सफर शुरू करने वाले नाना पाटेकर करोड़ों दिलों की धड़कन बने। संवाद अदायगी की अलग शैली और आम आदमी के संघर्ष को पर्दे पर उतारने की अद्भुत क्षमता ने नाना पाटेकर को हिंदी सिनेमा का ऐसा अभिनेता बनाया, जिसकी मौजूदगी किसी भी किरदार को यादगार बना देती थी। हिंदी सिनेमा ने अनेक बड़े अभिनेता दिए, लेकिन कुछ कलाकार ऐसे होते हैं जिनकी पहचान सिर्फ उनकी फिल्मों की संख्या या पुरस्कारों से नहीं बनती। वे अपने अभिनय की ऐसी छाप छोड़ते हैं, जो पर्दे से बाहर निकलकर दर्शकों की स्मृतियों में बस जाती है। नाना पाटेकर इसी श्रेणी के अभिनेता थे। उनका अभिनय बनावटी नहीं लगता था। वे किरदार को निभाते कम और उसे जीते अधिक दिखाई देते थे। चेहरे के भाव, आवाज की खनक, संवाद अदायगी का अंदाज और मौन के भीतर छिपे भाव—इन सबका इस्तेमाल वे असाधारण सहजता से करते थे।

नाना पाटेकर का जन्म महाराष्ट्र में हुआ और रंगमंच से उनका गहरा जुड़ाव रहा। थिएटर ने उनके अभिनय को वह आधार दिया, जिसने आगे चलकर उन्हें फिल्मों में विशिष्ट पहचान दिलाई। शुरुआती दौर में उन्होंने छोटे और चुनौतीपूर्ण किरदारों से अपनी जगह बनाई। 1970 और 1980 के दशक में वे लगातार ऐसे चरित्र

निभाते रहे, जिनमें नायकत्व की पारंपरिक चमक नहीं थी, लेकिन उनमें जीवन की सच्चाई और संघर्ष मौजूद था। उनकी फिल्मों का चुनाव भी उनके व्यक्तित्व की तरह अलग रहा। उन्होंने केवल मुख्यधारा के मनोरंजन पर निर्भर रहने के बजाय ऐसे किरदार स्वीकार किए, जिनमें अभिनय की वास्तविक गुंजाइश थी। ‘अंकुश’, ‘प्रतिघात’, ‘परिदा’, ‘सलाम बोम्बे’, ‘क्रांतिवीर’ और ‘अग्निसाक्षी’ जैसी फिल्मों ने उनके अभिनय के अलग-अलग रंग दर्शकों के सामने रखे। ‘परिदा’ में उनके अभिनय ने उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार दिलाया, जबकि ‘क्रांतिवीर’ और ‘अग्निसाक्षी’ के लिए भी उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नाना पाटेकर की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे संवाद को केवल बोलते नहीं थे, बल्कि उसे चरित्र की मानसिकता का हिस्सा बना देते थे। उनकी आवाज में गुस्सा भी था, करुणा भी और व्यवस्था के प्रति सवाल भी। ‘क्रांतिवीर’ का प्रतिरोधी तेवर हो या ‘अग्निसाक्षी’ का जटिल मनोविज्ञान, उन्होंने हर भूमिका को अपनी अलग शैली दी। उनकी संवाद अदायगी की नकल करने वाले अनेक लोग मिले, लेकिन उनकी सहजता और तीव्रता की बराबरी करना आसान नहीं था।

उनका फिल्मी सफर केवल अभिनेता तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने निर्देशन और लेखन में भी हाथ आजमाया। ‘प्रहार’ द फाइनल अटेक’

उनके निर्देशन की महत्वपूर्ण फिल्म रही। इस फिल्म में उन्होंने सेना के अनुशासन, हिंसा और मानवीय संवेदनाओं के बीच के तनाव को सामने रखा। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि नाना केवल अभिनेता नहीं, बल्कि सिनेमा की भाषा और समाज के रिश्ते को समझने वाले कलाकार थे।

उनके व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक सरोकार भी रहा। अभिनय की व्यस्त दुनिया के बावजूद वे समाज के कमजोर तबकों और जरूरतमंद लोगों के लिए काम करने से जुड़े रहे। किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता सार्वजनिक जीवन में भी दिखाई देती रही। यही कारण है कि पर्दे पर आम आदमी की पीड़ा और संघर्ष को व्यक्त करने वाला उनका अभिनय उनके वास्तविक व्यक्तित्व से भी जुड़ा महसूस होता था।

नाना पाटेकर की लोकप्रियता का आधार किसी खास तरह की छवि नहीं थी। वे कभी कटोर पुलिस अधिकारी बने, कभी विद्रोही, कभी सैनिक, कभी आम आदमी और कभी ऐसा व्यक्ति जिसके भीतर असंख्य अंतर्विरोध छिपे थे। उन्होंने खलनायक और चरित्र भूमिकाओं को भी उतनी ही गंभीरता से निभाया जितनी किसी नायक की भूमिका को।

उनका फिल्मी सफर इस बात का प्रमाण है कि महान अभिनेता बनने के लिए केवल आकर्षक चेहरा या स्टारडम पर्याप्त नहीं होता। जरूरी है किरदार की आत्मा को समझना और



उसे पूरी इमानदारी से पर्दे पर उतारना। नाना पाटेकर ने यही किया। उन्होंने सिनेमा को अपने अभिनय से यह भरोसा दिया कि एक अभिनेता बिना किसी चमक-दमक के भी दर्शकों के दिल पर गहरी छाप छोड़ सकता है। नाना पाटेकर की विरासत उनकी फिल्मों, संवादों और पुरस्कारों से कहीं बड़ी है। वह उन किरदारों में जीवित रहेगी, जिनमें उन्होंने समाज का सच दिखाया और उन दर्शकों में भी, जिन्होंने उनके अभिनय में अपने आसपास की जिंदगी को पहचाना। यही किसी कलाकार की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है—उसका चले जाना कहानी का अंत नहीं, बल्कि उसकी कला का स्मृति में स्थायी हो जाना है।

जीवन : परमात्मा का अनमोल उपहार



जीवन परमात्मा का अनमोल उपहार है। यह स्वयं ही इतना दिव्य, पवित्र और परिपूर्ण है कि संसार का कोई भी अभाव इसकी पूर्णता को खंडित करने में असमर्थ है। आवश्यकता यह है कि हम अपने मन की गहराई से अध्ययन कर उसे उत्कृष्टता की दिशा में उन्मुख करें। ईर्ष्या, द्वेष, लोभ एवं अहम के दोषों से मन को विकृत करने के बजाए अपनी जीवनशैली को बदल कर सेवा, सहकार, सौहार्द जैसे गुणों के सहारे मानसिक रोगों से बचा जा सकता है और मानसिक क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है। इसलिए कहा जाता है कि मनुष्य जीवन चार तरह की विशेषताएं लिए रहता है।

इस संबंध में एक श्लोक प्रस्तुत है –
बुद्धय फलं तत्त्व विचारणंच/देहस्य सारं व्रतधारणं

च/वित्तस्य सारं स्किलपात्र दानं/वाच- फलं प्रतिकरनारणाम।

अर्थात्- बुद्धि का फल तभी सार्थक होगा, जब उसको पूर्ण विचार करके उस पर अमल करें। शरीर का सार सभी व्रतों को धारण करने से है।

धन तभी सार्थक होगा, जब वह सुपात्र को दान के रूप में मिले और बात या वचन उसी से करें, जब व्यक्ति उस पर अमल करें। इसी का बेहतर तालमेल जीवन में बिटाना होता है। जो बिटा लेता है, वह भवसागर से पार हो जाता है और जो नहीं बिटा पाता वह दुख में पड़ा गोता खाना रहता है। आप जब तक इस गहराई को नहीं समझेंगे, अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि हम अपनी हर धड़कन की रपतार को समझें।

नहीं रह जाएंगी, यह किसी ने सोचा नहीं था। जब सारी दुनिया संकट में फंसी हुई है इसके बाद भी कहीं से कोई आवाज नहीं निकल रही है। दुनिया के देशों में जिस तरह से महंगाई और पूंजीवाद के खिलाफ आवाज उठाना शुरू हो गई है, समय रहते यदि इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो यह बगावत जैसी स्थिति पर पहुंच सकती है।

एक बार भीड़ सड़कों पर आ गई तो मुसीबत होगी, भीड़ तंत्र को नियंत्रित करना बहुत मुश्किल होता है। समय रहते दुनिया के देशों को वैश्विक शांति बनाए रखने के लिए एक बार फिर विचार विमर्श करना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो लोग अब कहने लगे हैं एक बार फिर प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के समय जो अराजकता की स्थिति थी वही स्थिति अब बनना शुरू हो गई है। यही सबसे बड़ी चिंता का विषय है।

अमेरिका और ईरान की जंग का सारी दुनिया में प्रभाव

(लेखक- सनत जेन)

भारत भी इससे अछूता नहीं है। भारतीय बंदरगाह और हवाई अड्डों पर भी अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का असर दिखने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने अमेरिकी प्रतिबंध के डर से काम करना बंद कर दिया है। इसका असर अखंडी जैसी कंपनियों पर पड़ने लगा है। 1993 में वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर सारी दुनिया के आर्थिक और सामाजिक विकास का जो दांचा तैयार होने का सपना देखा गया था वह इतनी जल्दी बिखर जाएगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं था।

इजरायल, फिलिस्तीन, रूस, यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका और ईरान के बीच में शुरू हुआ युद्ध मिडिल ईस्ट के कई देशों तक फैल गया है। धीरे-धीरे करके इसका असर अब सारी दुनिया में देखने को मिल रहा है। अमेरिका ने 8 महीने पहले दावा किया था, एक सप्ताह के अंदर युद्ध खत्म हो जाएगा। एक सप्ताह छेड़ 8 माह निकल गए हैं, युद्ध खत्म होने के स्थान पर बढ़ता ही चला जा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे इस युद्ध में रूस और चीन जैसी महाशक्तियों की दखलंदाजी देखने को मिल रही है। डॉलर मुद्रा को भी चुनौती मिलना शुरू हो गई। अमेरिका ने तरह-तरह से टैरिफ लगाकर दुनियां को हैरान किया वहीं होमर्ज बंदरगाह में कच्चे को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच जो युद्ध शुरू हुआ वह

समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब इसका असर सारी दुनिया में पड़ने लगा है। कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। महंगाई सारी दुनिया के देशों में बढ़ रही है। सभी जगह आंदोलन देखने को मिल रहे हैं। आर्थिक मंदी की आशंका से सारा विश्व इन दिनों भयाक्रांत है। इसके बाद भी सता में बैठे हुए लोग अपने अहंकार के चलते युद्ध समाप्त हो इस दिशा में कोई सार्थक प्रयास करते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। सबसे बड़े दुख की बात यह है, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं जानिकी यह जिम्मेदारी थी कि वह पूरे विश्व में शांति बनाए रखें, वह अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं भी अपनी भूमिका का निर्वाह नहीं कर पा रही है। युद्ध में केवल लड़ने वाले देशों को नुकसान होता हो ऐसा नहीं है। अमेरिका को 3.3 अरब डॉलर का नुकसान ईरान के साथ इस युद्ध में हो चुका है। उसके 15 जेट विमान मार गिराए

गए हैं। एफ 16 विमान, 81 मिल्ट्री एयरक्राफ्ट और बड़ी संख्या में ड्रोन नष्ट हुए हैं। मिडिल ईस्ट के कई देशों में अमेरिका ने जो सैन्य अड्डे बनाए थे वह लाभग बर्बाद हो चुके हैं। अमेरिका को ईरान के साथ इस युद्ध में भारी आर्थिक एवं सामरिक नुकसान उठाना पड़ा है। इसके बाद भी मरता वधाना ना करता है। ईरान को ऐसी दिशा की ओर ले जा रहे हैं जहां विनाश ही विनाश है। अमेरिका में तेजी के साथ महंगाई बढ़ रही है। डोलारल ट्रंप की लोकप्रियता मात्र 30 फीसदी रह गई है। टेक्सस जैसे राज्य से यह मांग उठने लगी है, रिजर्व भंडार से डीजल की आपूर्ति की जाए। अमेरिका जैसा देश डीजल की कमी से अब जूझने लगा है। इस युद्ध में उसके हथियार भंडार से 70 फीसदी हथियार युद्ध में काम आ

चुके हैं अब उसके पास युद्ध लड़ने के लिए पर्याप्त मात्रा में हथियार भी नहीं है। इसके बाद भी अमेरिका और ईरान के बीच कोई सहमति नहीं बन पा रही है, उल्टे रूस को लेकर अमेरिका ने जो प्रतिबंध लगाए हैं, इसका असर दुनिया के कई देशों में पड़ने लगा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। भारतीय बंदरगाह और हवाई अड्डों पर भी अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का असर दिखने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने अमेरिकी प्रतिबंध के डर से काम करना बंद कर दिया है। इसका असर अखंडी जैसी कंपनियों पर पड़ने लगा है। 1993 में वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर सारी दुनिया के आर्थिक और सामाजिक विकास का जो दांचा तैयार होने का सपना देखा गया था वह इतनी जल्दी बिखर जाएगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं था। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाएं कोई काम की

एयर इंडिया विदेश यात्रा के लिए यात्रियों को देगी ‘ट्रैवल सिम कार्ड’

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया विदेश यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को ‘ट्रैवल सिम कार्ड’ देगी।

एयर इंडिया के ब्रांड वाला ट्रैवल सिम कार्ड ‘ईजीरोम’ टाटा कम्युनिकेशंस के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। इस पर अंतरराष्ट्रीय रोमिंग सेवाएं उपलब्ध होंगी। विमानन कंपनी ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह अतिरिक्त उत्पाद एयर इंडिया के ब्रांड वाले एक समर्पित वेबपेज पर भौतिक सिम कार्ड के साथ-साथ ई-सिम के रूप में खरीद के लिए उपलब्ध होगा।इस सिम कार्ड के जरिये यात्री अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान मौखिक एवं डेटा सेवाओं का इस्तेमाल कर सकेंगे। एयर इंडिया और टाटा कम्युनिकेशंस दोनों टाटा समूह का हिस्सा हैं। विज्ञप्ति के अनुसार शुरुआत में सिम कार्ड मुफ्त दिया जाएगा, जबकि रोमिंग पैक के लिए शुल्क देना होगा। यह उत्तर अमेरिका, यूरोप (ब्रिटेन समेत), ऑस्ट्रेलिया, एशिया-प्रशांत और पश्चिम एशिया के 30 देशों में उपलब्ध होगा।

दिवाली से पहले 100 रुपए किलो तक पहुंच सकते हैं चावल के दाम

तमिलनाडु में कुछ हफ्तों में 20-40 रुपए प्र ति किलो का उछाल

नई दिल्ली ।

देश में महंगाई का सिलसिला थम नहीं रहा। प्याज, चीनी और एलपीजी के बाद अब दिवाली से ठीक पहले चावल के दाम भी आसमान छूने लगे हैं। खासकर तमिलनाडु में, जहां पिछले कुछ हफ्तों में चावल 20 से 40 रुपये प्रति किलो तक महंगा हो चुका है, अब प्रीमियम किस्में 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने की आशंका है।

इससे आम आदमी पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। कारोबारियों के मुताबिक दिवाली से पहले बासमती चावल 85 से 100 रुपये, पोन्नी और सोना मसूरी जैसी प्रीमियम किस्में 48-65 रुपये से बढ़कर 85-100 रुपये में बिक सकती हैं। वहीं, सामान्य चावल भी 40 रुपये से 45-55 रुपये प्रति किलो के बीच हो सकता है। 25-30 किलो के चावल बैग की कीमतों में भी 300 से 600 रुपये तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कीमतों में इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह धान की कम आपूर्ति है। तमिलनाडु जैसे राज्य पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक पर निर्भर हैं, जहां धान का उत्पादन और आवक घटी है। दिवाली जैसे त्योहारों के कारण बढ़ी मांग, इथेनॉल उत्पादन में चावल का उपयोग और अफ्रीकी देशों से टूटे चावल की मजबूत निर्यात मांग ने भी घरेलू कीमतों को हवा दी है। इन कारणों से मिलों में स्टॉक कम हुआ और धान महंगा हो गया, जिसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।

महाराष्ट्र में अब इलेक्ट्रिक होंगी बाइक टैक्सी, 9 महीने का अल्टीमेटम

- प्रदूषण नियंत्रण और ईवी को बढ़ावा देने के लिए सरकार का बड़ा निर्देश

नई दिल्ली ।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में संचालित सभी बाइक टैक्सी कंपनियों, जैसे ओला, उबर और रैपिडो, को एक बड़ा निर्देश दिया है।

उन्हें अगले 9 महीनों के भीतर अपने पूरे बेड़े को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशों के बाद महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने आरटीओ और कंपनियों को इस नियम को लागू करने के लिए कहा है। यह कदम राज्य में प्रदूषण कम करने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है।

इस नियम के तहत वर्तमान में पेट्रोल से चलने वाली बाइक का उपयोग कर रही कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहनों पर शिफ्ट होने के लिए 6 महीने का समय मिलेगा। हालांकि, जिन ऑपरेटर्स ने महाराष्ट्र बाइक टैक्सी नियम 2025 के तहत प्रोविजनल लाइसेंस के लिए पहले ही आवेदन किया हुआ है, उन्हें 3 महीने का अतिरिक्त समय यानी कुल 9 महीने की मोहलत मिलेगी। सरकार का मुख्य उद्देश्य तेजी से बढ़ती बाइक टैक्सियों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना है।

यद्यपि शुरुआत में इलेक्ट्रिक बाइक खरीदने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश के कारण बुकिंग महंगी हो सकती है, लेकिन लंबी अवधि में कम परिकलन लागत से यात्रियों को सस्ता कियाया और सबसे महत्वपूर्ण, प्रदूषण-मुक्त यात्रा का लाभ मिलेगा। यह निर्णय राज्य में हरित और स्वच्छ परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देगा।

डीओटी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस का स्पेक्ट्रम किया रद्द

कंपनी ने बकाया भुगतान और अनिवार्य शर्तों का नहीं किया था पालन

नई दिल्ली ।

अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और उसकी सहायक कंपनी रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) को दूरसंचार विभाग (डीओटी) से एक बड़ा झटका लगा है। डीओटी ने उन्हें आवंटित स्पेक्ट्रम को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। इस फैसले के बाद आरकॉम अब इन स्पेक्ट्रम का उपयोग करके टेलीकॉम सेवाएं नहीं चला पाएगी, जिससे कंपनी के भविष्य पर गहरा असर पड़ेगा। डीओटी ने आरकॉम को 5 अक्टूबर, 2026 को पत्र भेजकर 2010 से 2016 के

बीच हुई विभिन्न स्पेक्ट्रम नीलामियों के तहत दिए गए स्पेक्ट्रम को खत्म करने की जानकारी दी। विभाग के अनुसार, रिलायंस कम्युनिकेशंस ने स्पेक्ट्रम से जुड़ी अनिवार्य शर्तों का पालन नहीं किया, जिनमें नेटवर्क शुरू करने की रोलआउट शर्तें और स्पेक्ट्रम के लिए तय भुगतान शामिल हैं। कंपनी ने स्पेक्ट्रम की किस्तों, स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज (एसयूसी) और अन्य बकाया रकम का भुगतान नहीं किया था, खासकर 2010 की नीलामी के स्पेक्ट्रम के मामले में रोलआउट की शर्तें भी पूरी नहीं की गई थीं। अपनी सफाई में, आरकॉम ने

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1045, निफ्टी 371 अंक गिरा

निवेशकों के 10 लाख करोड़ डूबे मुग्ध हैं।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस प्रकार से लगातार दूसरा दिन है जब बाजार नीचे आया है। बाजार में आई इस गिरावट का कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहना बताया गया है। इससे निवेशकों को करीब 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। मार्केट में जारी बिकवाली से शेयरों के दाम तेजी से गिरे जिससे निवेशकों ने निकासी पर जोर दिया , दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,045.46 अंक गिरकर

71,593.24 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 371.25 अंक टूटकर 22,231.80 के स्तर पर पहुंच गया। गुरुवार को निफ्टी में सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयरों में अदानी इंटरप्राइजेज, जेएसडब्ल्यू स्टील, मैक्स हेल्थकेयर, आईटीसी और इंटरग्लोब एविएशन शामिल रहे, जबकि इंफोसिस, एक्सिस बैंक और एचसीएल टेक जैसे कुछ शेयरों में ही हल्की बढ़त देखी गई। बाजार में चारों ओर गिरावट का माहौल था, जिसमें ऑटो, एनर्जी, एफएमसीजी, इंफा, मीडिया, मेटल, ऑयल एंड गैस, फार्मा और रियल्टी सेक्टर जैसे सभी प्रमुख सेक्टर इंडेक्स 2 से 3 फीसदी तक गिरकर बंद हुए। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप

आरबीआई की सख्ती- डेट फंड और एफडी में अब स्मार्ट निवेश की दरकार

निवेशकों को छोटी अवधि और उच्च फ़्रेडिट गुणवत्ता पर ध्यान देने की सलाह

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रिपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसदी कर दिया है। यह फरवरी 2023 के बाद पहली वृद्धि है। केंद्रीय बैंक ने अपने मौद्रिक नीति के रख को न्यूट्रल से बदलकर कैलिब्रेटेड टाइटनिंग यानी चरणबद्ध सख्ती कर दिया है, जो भविष्य में दरों में और वृद्धि के संकेत देता है। इस फैसले के बाद डेट म्यूचुअल फंड और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन अब अवधि का चुनाव महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञ मौजूदा माहौल में शॉर्ट और मीडियम ड्यूरेशन फंड को अधिक आकर्षक मान रहे हैं, क्योंकि दरों में वृद्धि का लंबी अवधि के बॉन्ड पर अधिक नकारात्मक असर होता है। निवेशकों को फिलहाल 1 से 3 साल के अच्छी गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड और छोटी अवधि के मनी मार्केट फंड पर ध्यान देना चाहिए, जो 7.75 फीसदी से 8.25 फीसदी तक की आकर्षक यील्ड दे सकते हैं। आरबीआई द्वारा भविष्य में दरों में 50 से 75 बेसिस प्वाइंट की और बढ़ोतरी की संभावना है, इसलिए लंबी अवधि के बॉन्ड में तुरंत पैसा लगाने से बचना बेहतर होगा। एफडी दरों में बढ़ोतरी धीरे-धीरे होगी। अतः, पूरी रकम एक साथ लगाने के बजाय, निवेश को अलग-अलग समय में बांटना समझदारी है। निवेशकों को अपनी जेखिम क्षमता और निवेश अवधि को देखते हुए, विभिन्न मैच्योरिटी और जारीकर्ता में निवेश फैलाना और फ़्रेडिट क्वालिटी को प्राथमिकता देना चाहिए।

चीनी पर सरकार का कड़ा रुख, त्यापारियों के लिए स्टॉक सीमा 1000 क्विंटल की

15 अक्टूबर से 30 नवंबर तक लागू रहेगा नियम, 15 दिन में बेचना होगा सारा स्टॉक

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन में चीनी की बढ़ती कीमतों से जूझ रही आम जनता को राहत देने और बाजार में आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब व्यापारियों के लिए चीनी स्टॉक रखने की अधिकतम सीमा घटाकर 1000 क्विंटल कर दी गई है और उन्हें 15 दिनों के भीतर प्राप्त चीनी को बेचना अनिवार्य होगा। यह नियम 15 अक्टूबर से 30 नवंबर तक लागू रहेगा। केंद्र

सरकार ने चीनी की कीमतों को नियंत्रित करने और बाजार में इसकी सुचारु उपलब्धता बनाए रखने के लिए यह सख्त कदम उठाया है। इस नए नियम के तहत, व्यापारियों को चीनी प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर उसे बेचना होगा, और वे किसी भी समय 1000 क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख पाएंगे। यह तीसरी बार है जब सरकार ने स्टॉक सीमा में बदलाव किया है। इससे पहले अगस्त में 4000 क्विंटल और 30 दिन की सीमा



इंडेक्स में भी प्रत्येक में 2 फीसदी से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई। बाजार में इस बड़ी गिरावट का सबसे प्रमुख कारण कच्चे तेल की कीमतों में आया उछल है। इसके अलावा अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड बढ़कर 5.35 फीसदी हो गई है, जिससे डॉलर मजबूत हुआ है और उभरते बाजारों से पूंजी की निकासी तेज हुई है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो

रेट में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी से इक्विटी बाजार के वैल्यूएशन पर दबाव बढ़ा, जिसका असर बाजार पर साफ दिखा। इतना ही नहीं, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड का 5.3 फीसदी से ऊपर बने रहना भी बड़े शेयरों पर दबाव बनाए रख सकता है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

म्यूचुअल फंड बाजार में निवेशकों के लिए जल्द आ सकती हैं चार नई स्कीमें

- फंड हाउसों ने स्कीम के ड्राफ्ट बाजार नियामक सेबी को सौंपे

नई दिल्ली ।

लॉन्ग टर्म निवेश की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड बाजार से अच्छी खबर है। जल्द ही चार नई म्यूचुअल फंड योजनाएं बाजार में दस्तक दे सकती हैं। विभिन्न फंड हाउसों ने इन स्कीम्स के ड्राफ्ट बाजार नियामक सेबी को सौंप दिए हैं, जिनकी मंजूरी का इंतजार है। ये स्कीम्स निवेशकों को लार्ज-मिड कैप इक्विटी, पीएसयू बैंक, हेल्थकेयर और एसेट एलोकेंटर जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश का मौका देंगी। इन प्रस्तावित योजनाओं में चॉइस लार्ज एंड मिड कैप फंड, मोतीलाल ओसवाल निफ्टी पीएसयू बैंक इंडीएफ, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेंटर लॉन्ग शॉर्ट फंड और यूटीआई

निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स फंड शामिल हैं। हालांकि, अभी इनमें निवेश शुरू नहीं हुआ है और सेबी की मंजूरी तथा शर्तों में बदलाव की संभावना बनी हुई है। इन फंड्स में न्यूनतम निवेश राशि अलग-अलग है। चॉइस म्यूचुअल फंड में न्यूनतम 1,000 रुपए एकमुश्त या 250/500 रुपए एसआईपी से निवेश शुरू हो सकेगा। वहीं, यूटीआई निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स फंड में 1,000 रुपए एकमुश्त और मासिक एसआईपी के लिए 500 रुपए का निवेश करना होगा। मोतीलाल ओसवाल निफ्टी पीएसयू बैंक इंडीएफ को स्टॉक की तरह एक्सचेंज पर खरीदा या बेचा जाएगा, जिसकी कोई तय न्यूनतम आवेदन राशि नहीं है। दूसरी ओर, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेंटर

रुपया गिरावट के साथ बंद मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 8 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.83 पर बंद हुआ। सुबह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसे बढ़कर 96.65 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय तेल मानक बेंट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों समेत लगातार बने व्यापक आर्थिक दबावों के बीच रुपये पर दबाव है। इसके अलावा विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा सितंबर में 7,86 अरब डॉलर के उच्चस्तर से केवल तीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 50 अरब डॉलर की गिरावट ने भी निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.71 प्रति डॉलर पर खुला। फिर कुछ संभलकर 96.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 10 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाते वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी बढ़कर 102.25 पर रहा।

म्यूचुअल फंड बाजार में निवेशकों के लिए जल्द आ सकती हैं चार नई स्कीमें

- फंड हाउसों ने स्कीम के ड्राफ्ट बाजार नियामक सेबी को सौंपे

लॉन्ग शॉर्ट फंड में सामान्य निवेशकों के लिए न्यूनतम 10 लाख रुपए का निवेश अनिवार्य है, जिसमें एसआईपी के तहत भी कुल निवेश 10 लाख रुपए होना जरूरी होगा। इन स्कीम्स की निवेश रणनीतियां भी भिन्न हैं। मोतीलाल ओसवाल और यूटीआई के इंडेक्स फंड निष्क्रिय रूप से क्रमशः निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी हेल्थकेयर सूचकांकों में

शामिल शेयरों को ट्रैक करेंगे। चॉइस लार्ज एंड मिड कैप फंड सक्रिय तरीके से वृद्धि की उच्च संभावना वाली लार्ज और मिड कैप कंपनियों के शेयरों में निवेश करेगा। जबकि, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेंटर लॉन्ग शॉर्ट फंड बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी, डेट, डेरिवेटिव्स और अन्य साधनों में लचीले ढंग से निवेश कर सकता है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने फिर बढ़ाए डिजर्ट के दाम

व्हील, सर्फ एक्सेल और रिन के कई पैकेटों पर 2.2 फीसदी से 7.1 फीसदी तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

देश में बढ़ती महंगाई के बीच हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने आम उपभोक्ताओं को एक और झटका दिया है। कंपनी ने अक्टूबर में अपने लोकप्रिय डिजर्ट ब्रांड्स व्हील, सर्फ एक्सेल और रिन के कई पैकेटों की कीमतों में फिर से इजाफा कर दिया है। कंपनी ने विभिन्न उत्पादों की कीमतों में 2.2 फीसदी से 7.1 फीसदी तक की वृद्धि की है। गौरतलब है कि कई उत्पादों के दाम इस साल यह दूसरी से चौथी बार बढ़ाए गए हैं। उदाहरण के लिए, व्हील पाउडर का 1 किलो पैकेट अब 90 रुपये के बजाय 93 रुपये का हो गया है, जबकि सर्फ एक्सेल ईजी वॉश का 1 किलो पैकेट 167 रुपये से बढ़कर 172 रुपये का हो गया है। वहीं रिन पाउडर का 1 किलो पैकेट अब 120 रुपये की जगह 123 रुपये में मिलेगा। इन उत्पादों की बढ़ती कीमतें सीधे तौर पर आम परिवारों के मासिक बजट पर बोझ डालेंगी, खासकर उन पर जो नियमित रूप से बड़े पैक खरीदते हैं। इस लगातार हो रही वृद्धि की मुख्य वजह कच्चे माल और पैकेजिंग की लागत में बढ़ोतरी है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में करदाताओं को राहत की उम्मीद

नई दिल्ली ।

जीएसटी परिषद की बैठक में करदाताओं के लिए जीएसटी प्रणाली को सरल और सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में कर दरों में बड़े बदलाव की संभावना कम है, बल्कि प्रशासनिक बोझ को कम करने, कागजी कार्रवाई घटाने और रिफंड में इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़ी जटिलताओं को दूर करने के प्रस्तावों पर चर्चा होगी। नौ महीनों के विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए ये प्रस्ताव जीएसटी को तकनीक आधारित और अधिक कुशल बनाने की दिशा में अहम हैं, जिसे पीडब्ल्यूसी इंडिया के प्रशांत अग्रवाल जीएसटी 2.0 का दूसरा चरण मान रहे हैं। बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधारों पर मुहर लग सकती है। अपराधिक मुकदमा शुरू करने की सीमा 1 करोड़

रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है, जिससे छोटे करदाताओं को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही, जीएसटी अधिकारियों के सीधे गिरफ्तारी के अधिकार को हटाने और इसके लिए न्यायिक अनुमति को अनिवार्य बनाने पर भी विचार हो सकता है, जिससे ईमानदार व्यापारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाया जा सके। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि यह 98-99 फीसदी ईमानदार करदाताओं पर से गैर-जरूरी सख्ती का बोझ कम करेगा। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़ी कई महत्वपूर्ण राहतें भी प्रस्तावित हैं, जिनमें सलाखर की गलती पर ईमानदार खरीदारों को सुरक्षा देना और कुछ कारोबारी खर्चों (जैसे मोटर वाहन, समूह बीमा) पर आईटीसी की सुविधा बढ़ाना शामिल है। इसके अलावा, रिफंड प्रक्रिया को तकनीक के माध्यम से तेज करने पर भी जोर दिया जाएगा, जिससे खासकर निर्यातकों को उनकी पूंजी जल्द वापस मिल सके। ईवाई इंडिया के समीर गुप्ता के अनुसार, ये कदम जीएसटी के अगले चरण में अटक टैक्स क्रेडिट, दरों के अंतर और समय पर रिफंड जैसी समस्याओं को दूर कर प्रणाली को कारोबारी हितैषी बनाएंगे।

विशाल निर्मिति का शेयर दो प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध

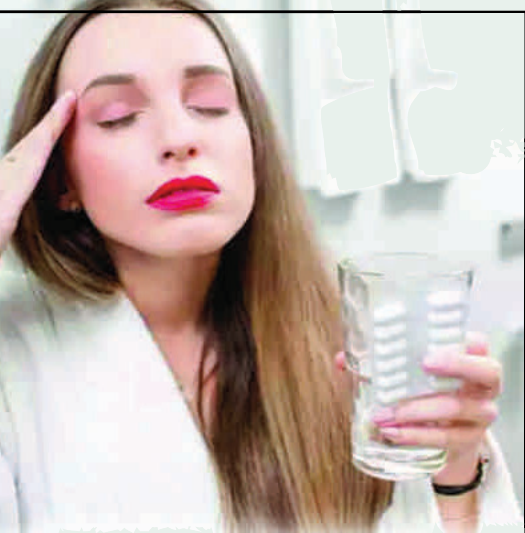
नई दिल्ली ।

निवेश इजीनियरिंग, विनिर्माण एवं निर्माण क्षेत्र की कंपनी विशाल निर्मिति लिमिटेड का शेयर अपने 220 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ गुरुवार को

बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर ने 215 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 2.27 प्रतिशत कम है। बाद में बीएसई पर यह 7.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 204.25 रुपये पर आ

गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 539.03 करोड़ रुपये रहा। विशाल निर्मिति लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 1.71 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के

लिए मूल्य दायरा 208-220 रुपये प्रति शेयर था।आईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी की जरूरतों, ऋण चुकाने और सामान्य कारोबारी उद्देश्यों के लिए किया जाना प्रस्तावित है।



शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।



एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

मो

बाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

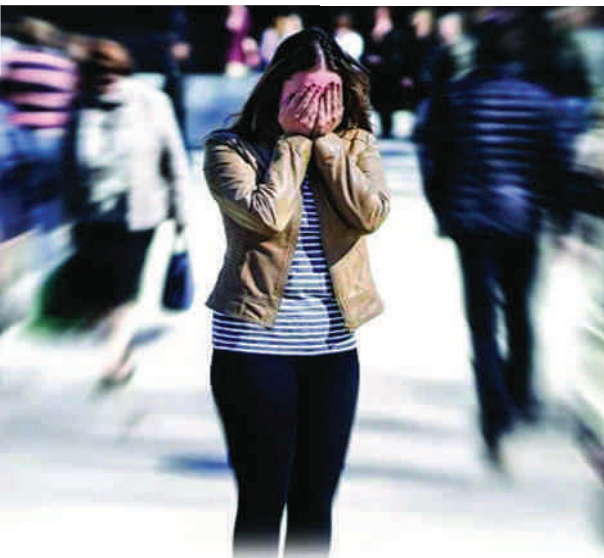
रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरिफिकेशन टेक्नीक



मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा धातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गंवा दी, यहां

तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर दृष्ट के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एमर्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। युरोपियन देशों में भी पैडेमिक फैटिंग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

ऐसे करें आंखों की देखभाल

के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कॉलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी-बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एमर्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैडेमिक के



देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली

आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्यूटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चीकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूमपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनशियन नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

खतरा के कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक – वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्यूशन हर्ट फेलियर के खतरों की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजुर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्यूशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लॉन्ग प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषित हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते हैं जिससे कई बार हमें आंस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।



जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सख्ती, जूस, खीर, कलाकंद, पराटे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मिलती है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयर्जन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान – बेवैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

रुसी राष्ट्रपति पुतिन से बहुत जल्द होगी बात, रूस-यूक्रेन युद्ध पर गहरी चर्चा जारी : राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत बहुत जल्द होने वाली है। उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन इस पर जल्द ही कुछ और जानकारी दे सकता है, क्योंकि अभी बहुत गहरी चर्चा चल रही है। ट्रंप ने मरीन वन से उतरने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस बातचीत की योजना के बारे में बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने पुतिन से बात की है और अमेरिका का अगला कदम क्या होगा, तो ट्रंप ने कहा, ‘मेरी एक कॉल तय है।’ जब पूछा गया कि बातचीत कब होगी, तो ट्रंप ने जवाब दिया, ‘बहुत जल्द। एक रिपोर्ट ने फिर पूछा कि क्या यह कॉल इसी हफ्ते होगी और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां रूस में हो रहे घटनाक्रमों के बारे में क्या कह रही हैं। इस पर ट्रंप ने कहा, ‘अभी तक, हम बहुत गहरी चर्चा में हैं। हम शायद कल इसके बारे में रिपोर्ट कर पाएंगे।’ ट्रंप ने कहा है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। सोमवार को मैरीलैंड के स्प्रीरो पॉइंट में अलग से बात करते हुए उन्होंने माना कि यह संघर्ष शुरू में जितना सीधा था, उससे ज्यादा मुश्किल साबित हुआ है। ट्रंप ने कहा, ‘मैंने आठ युद्ध खत्म किए। हमने अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म नहीं किया है। मैं उस पर काम कर रहा हूं। मुझे लगा था कि वह मेरे लिए सबसे आसान होगा, लेकिन वह भी बहुत जटिल होने वाला है।’ ट्रंप ने कहा, ‘उस जंग में बहुत सारे लोग मारे जा रहे हैं, ये बेहद दुःखद है। जो कुछ हो रहा है वो ठीक नहीं है, लेकिन यकीन मानिए, भले ही ऐसा न लग रहा हो, लेकिन हम इसके खत्म होने के करीब पहुंच रहे हैं।’

इजराइल के लिए फिर से उड़ान शुरू करने की कोशिश में फ्लाईदुबई, मिला इटका

दुबई, एंजेंसी। फ्लाईदुबई के विमान में हुई घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर दिया है, कट्टरपंथी सोच वाले ओमानी को-पायलट हम्मांम अल-हम्मामी ने कैसे विमान को तबाह करने की साजिश रची थी, इससे हर कोई हैरान है. इस बीच खबर है है कि फ्लाईदुबई ने इजराइल के लिए अपनी हवाई उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. क्योंकि 30 सितंबर की घटना की जांच अब अंतिम चरण में है. हालांकि इसे नमंजूर कर दिया गया है. रिपोर्ट के मुताबिकफ्लाईदुबईने इजराइल के लिए उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. फ्लाईदुबई का कहना है कि विमान में हुई घटना की जांच जांच पूरी हो रही है, ऐसे में उसे फिर से उड़ानें फिर से शुरू करने दिया जाए. हालांकि इजराइल की परिवहन मंत्री मिरी रेगेव ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अभी इस अनुबंध को अस्वीकार कर दिया है. चैनल 13 की रिपोर्ट के अनुसार, फ्लाईदुबई ने यह अनुरोध उसके एक विमान के को-पायलट द्वारा आतंकी हमला करने की कोशिश के एक हफ्ते बाद किया गया है. एयरलाइन का कहना है कि हमले की जांच पूरी हो रही है और कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के ट्रान्सपोर्ट मिनिस्ट्री के अधिकारियों को भी अगले हफ्ते दुबई का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

‘न तेल, न इकोनॉमी.. कुछ नहीं बचा, ईरान बर्बाद हो गया’, डोनाल्ड ट्रंप का दावा

वाशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि ईरान बुरी तरह से बर्बाद हो चुका है। उन्होंने व्हाइट के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में है और वहां महंगाई करीब 300 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के तेल मंत्री ने इस्तीफा दे दिया। ट्रंप के मुताबिक ईरान के पास न अर्थव्यवस्था बची है और न ही तेल। वहीं उन्होंने अमेरिका की अर्थव्यवस्था को बेहद मजबूत बताया और कि इसकी वजह डॉलर है। उन्होंने कहा कि मजबूत डॉलर कई मायनों में फायदेमंद है। व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है। महंगाई चरम पर है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में महंगाई लगभग 300 प्रतिशत है। उनके पास न तो तेल बचा है और न अर्थव्यवस्था बची है। उनके तेल मंत्री ने हाल में इस्तीफा दे दिया। बता दें कि ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने 4 अक्टूबर को इस्तीफा दिया था, जिसे राष्ट्रपति मसूद पेजेकिचियन ने स्वीकार कर लिया। नेशनल इरानियन ऑयल कंपनी के सीईओ हामिद बोवाई को अस्थायी तेल मंत्री नियुक्त किया गया है।

फ्रांस में शिक्षा फंडिंग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग: पुलिस ने छोड़ी आंसू गैस, बवाल की वजह क्या?

पेरिस, एंजेंसी। फ्रांस में स्कूलों के लिए ज्यादा फंड की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन मंगलवार को देशव्यापी प्रदर्शन में बदल गया। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, पूरे देश में 2.66 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया, जिमेंमें अकेले पेरिस में 56 हजार लोग शामिल थे। छात्रों ने कई हाईस्कूलों की नाकेबंदी की, जबकि मासई, स्ट्रसबर्ग और दूसरे शहरों में बड़े संख्या में लोग झंडे और पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे। यह आंदोलन सितंबर के मध्य में पेरिस क्षेत्र के एक हाईस्कूल से शुरू हुआ था। अब यह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यकाल में हुए कई बड़े प्रदर्शनों के बीच एक नए देशव्यापी

आंदोलन के रूप में सामने आया है। प्रदर्शन में शामिल लीआ मोनिमार्त ने कहा कि सरकार को छात्रों की बात सुननी चाहिए, क्योंकि वे 17 साल के हैं और अपने मुद्दों को समझते हैं।

पुलिस ने आंसू गैस क्यों छोड़ी : ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन पेरिस में मार्च खत्म होने के बाद एक चौक पर प्रदर्शनकारियों के छोटे समूहों और दंगा नियंत्रण पुलिस के बीच झड़प हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। गृह मंत्रालय के मुताबिक, मंगलवार को करीब 500 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस की कार्रवाई को लेकर छात्रों, अभिभावकों और



शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है और कुछ छात्र संगठनों ने गुस्वार को फिर प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि लगभग सभी मामलों में प्रतिक्रिया अनुपातिक थी और कुछ प्रदर्शन दंगों में बदल गए थे। प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोनूर् ने छात्रों की चिंताओं को सुनने और समाधान निकालने की बात कही। संसद में प्रदर्शन को लेकर सवालों के जवाब में उन्होंने



स्कूलों को प्रभावित करने वाली 'अत्यधिक हिंसा' की निंदा की और पुलिस पर नस्लभेद के आरोपों को झूठ बताया। **छात्रों और अभिभावकों में गुस्सा क्यों :** दो हफ्ते से ज्यादा समय से चल रहे कक्षा बहिष्कार और स्कूलों की नाकेबंदी के साथ पुलिस की कार्रवाई भी आंदोलन का बड़ा मुद्दा बन गई है। खबर के मुताबिक, अब तक 6,500 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और इनमें ज्यादातर नाबालिग हैं। पुलिस



में नहीं बदली है, तो वह हैं मसाले। मैं वहीं मसाला इस्तेमाल करता हूं जिसकी आदत मेरी मां ने मुझे डाली थी, उन्होंने वहीं मसाला इस्तेमाल किया जिसकी आदत उनकी मां ने उन्हें डाली थी, और यह कहानी पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है।' क्वात्रा ने कहा कि यह परंपरा अब भारत के बाहर भी अपनी जगह बना रही है। सबसे रोमांचक बात यह है कि इस विस्तार का नेटवर्क अब पूरी दुनिया में फैल गया है। राजदूत ने हल्दी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे भारतीय जीवन का एक अहम हिस्सा रही यह चीज अब आधुनिक अमेरिकी फूड कल्चर का हिस्सा बन गई है। क्वात्रा ने 2010 से 2013 के बीच वाशिंगटन में अपनी पिछली पोस्टिंग को याद करते हुए कहा कि उन्हें उस समय अमेरिकी कैफे में हल्दी वाला लट्हे देखने को नहीं मिला था। उन्होंने

कहा, 'मुझे याद नहीं है कि मैं अमेरिका में किसी कैफे में गया होऊं और वहां हल्दी वाला लट्हे देखा हो। मुझे नहीं लगता कि यह कैफे के मेन्यू में शामिल था।' क्वात्रा ने अमेरिकी कैफे में इसकी हालिया लोकप्रियता की तुलना भारत में सदियों से हल्दी का इस्तेमाल और आयुर्वेद में इसकी अहमियत से की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक भारतीय व्यवस्था में हल्दी की बात यह है कि पिछले कुछ सालों में हम न सिर्फ अमेरिकी चरों तक भारतीय मसाले पहुंचा पाए हैं, बल्कि अमेरिकी समाज को भारतीय मसालों के समग्र और स्वास्थ्य संबंधी फायदे के बारे में भी समझा पाए हैं। इसलिए, अमेरिकी समाज में भारतीय मसालों का इस्तेमाल या उनका प्रसार सिर्फ खाने के स्वाद तक ही सीमित नहीं है। असल में, यह जिंदगी का स्वाद है क्योंकि यह अगर इसी शरीर और आपकी समग्र सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। क्वात्रा ने कहा कि मकसद यह था कि भारतीय मसाले अमेरिकी खाने-पान की आदतों में गहराई से शामिल हो जाएं।उन्होंने कहा, 'सोच यह है कि भारतीय मसाले न सिर्फ अमेरिकी

समाज में दूर-दूर तक फैले बल्कि अमेरिकी खानपान की आदतों का भी हिस्सा बन जाएं।' राजदूत ने मसालों में बढ़ती दिलचस्पी को खाने-पीने के एक और मौजूदा ट्रेंड, ऑर्गेनिक उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता से भी जोड़ा। उन्होंने तर्क दिया कि जिसे आज आधुनिक और सेहतमंद खाने-पान कहा जाता है, उसकी जड़ें अक्सर पुराने खान-पान के तरीकों में होती हैं। क्वात्रा ने कहा, 'मेरा मतलब है, हम कहते हैं कि ऑर्गेनिक फूड आजकल बहुत ट्रेंड में है। असल में ऑर्गेनिक फूड तो पुराना खाना है और पुराना सेहतमंद खाना है। तो एक तरह से आधुनिक ट्रेंड अपनी जड़ों की ओर लौटना है, कम से कम इस मामले में तो। खाने और मसालों के मामले में तो निश्चित रूप से ऐसा ही है। ' क्वात्रा ने कहा कि ग्राहकों के साथ लंबे समय तक चलने वाला रिश्ता बनाने के लिए सिर्फ मसालों की मार्केटिंग काफी नहीं है। उनके इतिहास और खाने-पीने व जीवनशैली के साथ उनके रिश्ते को समझना जरूरी है।



ने सजा को अमल में लाने की दिशा में जरूरी प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं। कार्यवाहक सेना सचिव एडम टेल के मुताबिक, सजा को भी मौत की सजा नहीं दी गई है। ऐसे में यह मामला एक बार फिर अमेरिका की सैन्य न्याय व्यवस्था को चर्चा में ले आया है।

ट्रंप की मंजूरी के बाद आगे बढ़ी सजा की प्रक्रिया : पेंटागन के प्रवक्ता सीन पावेल ने सोमवार को बताया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हसन को मौत की सजा देने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद सेना

यूक्रेनकी नाटो सदस्यता पर अभी नहीं हो रहा कोई विचार: मार्को रुबियो

वाशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन की नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रुबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन हालात के 'ट्रेंड' पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लग रहा कि लड़ाई खत्म होने की तरफ बढ़ रही है। रुबियो ने कहा, 'जैसा कि आप जानते हैं, अभी यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई बात नहीं हो रही है, क्योंकि इसके लिए आम सहमति बनाने की प्रक्रिया से गुजरना जरूरी है। वे रेक्याविक में आइसलैंड की विदेश मंत्री थोरगेरदुर कैट्रिन गुनार्सडॉटर के साथ एक जॉइंट मीडिया ब्रीफिंग में बोल रहे थे। जब यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर उनकी राय पूछी गई, तो रुबियो ने कहा कि इसका कोई सीधा 'हां' या 'ना' में जवाब नहीं है। रुबियो ने कहा, 'अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना दुःखद है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हम एक सकारात्मक भूमिका निभाना चाहेंगे।' रुबियो ने संकेत दिया कि वाशिंगटन मौजूदा हालात को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, 'हम जाहिर तौर पर वहां के हालात के

ट्रेंड पर नजर रख रहे हैं और देख रहे हैं कि अभी मामला उस दिशा में नहीं बढ़ रहा है। उन्होंने ये बातें एक ऐसी चर्चा के दौरान कहीं जिसमें यूक्रेन के अलावा आर्कटिक और 'हार्ड नॉर्थ' (सुदूर उत्तर) इलाकों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं पर भी बात हुई। रुबियो ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते माहौल ने इस इलाके पर वाशिंगटन का ध्यान फिर से खींचा है। 2006 में आइसलैंड में लंबे समय से मौजूद अमेरिकी सेना को कहीं और भेजे जाने के बाद ऐसा हुआ था। उन्होंने कहा, 'असलियत यह है कि पिछले 20 सालों में दुनिया बदल गई है। हमारा ध्यान भी बदल गया है। अब आर्कटिक पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। रुबियो ने आइसलैंड को यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से अहम बताया क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति खास है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन रेकजाविक के साथ और सहयोग में बातचीत करने के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अपनी भौगोलिक स्थिति की वजह से आइसलैंड और उसकी लोकेशन यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने कहा कि 'हार्ड नॉर्थ' में सुरक्षा चिंताएं सिर्फ पारंपरिक सैन्य खतरों तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने गुप्त गतिविधियों, समुद्र के नीचे बिछी केबलों और शिपिंग लेन को होने वाले खतरों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आर्थिक व व्यावसायिक चुनौतियों का जिक्र किया।

फोर्ट हुड केस: 13 लोगों की हत्या के दोषी निडाल हसन को 3 दिसंबर को मिलेगी सजा-ए-मौत, क्या है फायरिंग स्ववाद

लिए मौजूद थे। हसन ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। हमले के दौरान उसने 'अल्लाहु अकबर' कहा, जिसका अर्थ है 'इश्वर महान है'। उसने लेजर साइट वाली पिस्तौल से गोलियां चलाईं। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे अमेरिका को झकझोर कर रख दिया था। हसन अमेरिकी सेना में मनोचिकित्सक के पद पर तैनात था। मुकदमे के दौरान उसने अपने बचाव में बहुत कम दलीलें दीं। उसने जुरी से कहा था कि सबूत यह साबित कर देंगे कि गोली चलाने वाला वह था। उसने खुद को ऐसा सैनिक बताया था, जिसने अपना पक्ष बदल लिया है। हसन ने यह भी कहा था कि उसका मकसद सैनिकों को अफगानिस्तान जाने और वहां अपने साथी मुसलमानों को मारने से रोकना था। उसके इस

बयान ने मामले को और भी संवेदनशील बना दिया था।

राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी मिलने के बाद भी हसन की सजा पर अमल करना इतना आसान नहीं है।

अमेरिकी सैन्य कानून के तहत जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी।

इसके अलावा, हसन के पास नागरिक संघीय अदालत में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करने का विकल्प भी है। इस कानूनी प्रक्रिया के जरिए वह अपनी हिरासत या सजा को चुनौती दे सकता है।

मई में 'आर्मी लॉन्चर' पत्रिका में प्रकाशित एक लेख के मुताबिक,

अगर हसन इस रास्ते का इस्तेमाल करता है, तो फांसी की प्रक्रिया रुक सकती है और मामला कई साल तक खिंच सकता है।

ऐसे में 3 दिसंबर की तारीख तय होने के बावजूद यह देखना बाकी है कि सजा निर्धारित समय पर दी जा सकेगी या नहीं।

कैसे बची कैप्टन स्मित की जान?: ‘लगातार बह रहा था खून, हॉट भी पड़ गए थे नीले’, अब डॉक्टर ने खुद बताई हकीकत

तेल अवीव , एंजेंसी। तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में हुई चाकूबाजी से हर कोई हैरान है। 170 से ज्यादा यात्रियों की जान बचाने वाले पायलट स्मित मच्छर इसके असली हीरो रहे। दरअसर, उनके सह-पायलट ने अल हमाम ने अचानक उनपर चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद विमान काफी नीचे आ गया था। कुछ ही सेकंड में विमान क्रेश भी हो सकता था, लेकिन स्मित ने हार नहीं मानी। खून से लथपथ होने के बावजूद स्मित ने मुकाबला किया और मौका मिलते ही कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इस दौरान जा यात्रियों ने तुरंत दौड़ लगाई। कुछ ने हल्ला मचाने का पकड़ा। एक ने विमान संभाला। उन्हीं चार में से एक दातों के डॉक्टर भी थे। उन्होंने तुरंत स्मित को संभाला और उनकी जान बचाने पूरी ताकत झोक दी। एक इंटरव्यू में जॉर्जियाई दंत चिकित्सक डॉ. शुता गैस ने इस बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करीब 45 मिनट तक वो लगातार घावों पर दबाव बनाए रखे रहे। बर्फ की मदद से खून रोकने की कोशिश की।

कपड़ों और बर्ब से कैसे रोका गया खून : मुसायव ने बताया कि कैप्टन के सिर और बाएं हाथ से बहुत ज्यादा खून निकल रहा था। उन्होंने पहले टी-शर्ट को घाव पर रखकर दबाव बनाया, लेकिन खून नहीं रुका। इसके बाद उन्होंने विमान के कर्मचारियों से बर्फ मांगी। कैप्टन के घाव बहुत गहरे थे, इसलिए कई आइस पैकेट इस्तेमाल करने पड़े। मुसायव ने करीब 45 मिनट तक घाव पर दबाव बनाए



रखा और बर्फ लगाते रहे। उनका कहना था कि जब भी वह खून देखने के लिए टी-शर्ट हटाते थे, खून फिर तेज बहने लगता था। मुसायव लगातार कैप्टन की हालत देखते रहे। वह उनसे बात करते रहे ताकि वह बेहोश न हो। उन्होंने कैप्टन से उनके बच्चों के बारे में पूछा और कहा कि वह जल्द अपने परिवार के पास लौटेंगे। कैप्टन ने अपना नाम और उम्र बताई। उन्होंने बताया कि वह भारत से हैं और दुबई में रहते हैं। वह दर्द में थे और मदद की गुहार लगा रहे थे। एक समय उनकी नब्ज बहुत कम हो गई। तब मुसायव ने उनके पैर ऊपर किए, जिसके बाद नब्ज फिर लौट आई। जब कैप्टन के होंठ नीले पड़ने लगे तो उन्होंने विमान कर्मचारियों से जल्द लैंडिंग कराने को कहा। कैप्टन दर्द की दवा मांग रहे थे। मुसायव ने उन्हें थोड़ा-थोड़ा पानी दिया, लेकिन भारी खून बहने के कारण दवा देने से मना कर दिया। उन्हें डर था कि कैप्टन को हिलाने या दवा देने से दोबारा ज्यादा खून निकल सकता है। वह लगातार उनकी नब्ज, बातचीत और होंठों को हिलाने का प्रयास करते रहे। विमान के सऊदी अरब में उतरने के बाद उन्होंने कैप्टन को जमीन पर मौजूद डॉक्टरों के हवाले कर दिया।

यूपी में नकली और पुराने नोटों के नेटवर्क का भंडाफोड़, 1.43

करोड़ के बंद नोट बरामद, नेटवर्क तलाश रही पुलिस

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में जाली करेंसी और पुराने, बंद हो चुके नोटों के बड़े पैमाने पर नेटवर्क का खुलासा हुआ है। हाल ही में जहां एक ओर बैंकों में 17 करोड़ से अधिक के नकली नोटों की जांच चल रही है, वहीं अब हापुड़ में 1.43 करोड़ रुपये मूल्य के पुराने, बंद हो चुके नोट बरामद किए गए हैं। हापुड़ देहात पुलिस ने यह बड़ी सफलता ततारपुर चौकी क्षेत्र में स्थित एक पेट्रोल पंप के पास हासिल की, जब चेंकिंग अभियान के दौरान एक सटिंग्घ बाइक सवार को रोका गया। पुलिस के रोकने पर युवक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी कर उसे धर दबोचा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से भारी मात्रा में बंद हो चुके पुराने नोटों के बंडल बरामद हुए, जिनकी कुल धनराशि करीब 1.43 करोड़ रुपये आंकी गई है।

हिंदी कवर वाली दवाओं के वितरण पर रोक

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के कोयंबटूर और करूर के सरकारी अस्पतालों में दवाएं रखने वाले तीन भाषाओं में छपी कवर का वितरण रोक दिया गया है। इन पर दवा की खुराक संबंधी जानकारी तमिल, अंग्रेजी और हिंदी में छपी थी। द्रम्य नेता टीआरवी राजा ने आरोप लगाया कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में भी तीन भाषा नीति लागू की जा रही है। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि इनका इस्तेमाल 18 महीने से हो रहा है। पिछली सरकार के कार्यकाल में भी इनका उपयोग हुआ था। राज्य में हिंदी विरोध का इतिहास आजादी से पहले का है। 1937 में स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किए जाने के खिलाफ पेरियार के नेतृत्व में आंदोलन हुआ था। 1965 में विरोध-प्रदर्शन में 60 से अधिक की मौत हुई। इसके बाद तमिलनाडु ने तमिल और अंग्रेजी की दो-भाषा नीति अपनाई और केंद्र की तीन-भाषा नीति का लगातार विरोध करता रहा।

कनॉट प्लेस में कश्मीरी युवक से मारपीट, भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन के बीच दिल्ली के कनॉट प्लेस में एक युवक के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थक होने का दावा करने वाले कश्मीरी युवक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उसके साथ मारपीट की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप था कि युवक लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ अपशब्द कह रहा था। मारपीट का शिकार हुए युवक ने कहा कि उसने केवल यह सवाल उठाया था कि जब विपक्ष चुनाव जीतता है तो उसे ईवीएम से परेशानी क्यों नहीं होती। उसने ईवीएम के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाया और कहा कि वह कश्मीर का रहने वाला है तथा उसने राहुल गांधी को गाली नहीं दी। युवक ने कहा कि वह देश का नागरिक है और भारत को दूसरा नेपाल नहीं बनने देगा। इस मामले को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जिस राजनीतिक मॉडल को देशभर में आगे बढ़ाना चाहते हैं, उसकी तस्वीर कनॉट प्लेस की घटना से सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक कश्मीरी मुस्लिम युवक को बुरी तरह पीटा। यादव ने सवाल उठाया कि यदि राजधानी में राजनीतिक विरोध के दौरान मारपीट होती है तो क्या इसे लोकतंत्र कहा जा सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर सविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की बाढ़ धारने के बावजूद उनके विपरीत आवरण करने का आरोप लगाया। घटना ऐसे समय हुई जब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेता कनॉट प्लेस में लंच मीटिंग के लिए जुट रहे थे।

नोएडा बस गैंगरेप मामले में चालक और खलासी पर आरोप तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने नोएडा बस गैंगरेप मामले में आरोपी बस चालक और खलासी के खिलाफ अपहरण, बंधक बनाने और सामूहिक दुर्कर्म समेत गंभीर धाराओं में आरोप तय कर दिए हैं। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सोनम गुप्ता ने दिल्ली पुलिस की ओर से करीब 400 पत्रों का आरोपपत्र दाखिल किए जाने के एक सप्ताह बाद यह आदेश दिया। अदालत ने आरोपियों की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें पुलिस पर मीडिया दबाव में सबूत गढ़ने का आरोप लगाया गया था। अदालत ने कहा कि साक्ष्यों की विस्तृत जांच सुनवाई के दौरान की जाएगी। आरोपीहीन्य कुलदीप और संदीप पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपहरण, गलत तरीके से बंधक बनाने, विवाह या यौन संबंध के उद्देश्य से अपहरण और सामूहिक दुर्कर्म के आरोप लगाए गए हैं। दोनों पर पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत गंभीर यौन अपराध का आरोप भी है। विशेष लोक अभियोजक निम्मी सिसोदिया ने सुनवाई के दौरान कहा कि पीड़िता और अन्य गवाहों के बयान प्रथम दृष्टया अभियोजन के मामले का सफाई करते हैं। अभियोजन के अनुसार, 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा चार अगस्त की रात मैनपुरी से नोएडा अपने रिश्तेदार से मिलने जा रही थी। भारी बारिश के दौरान वह गलत जगह उतर गई और उसने एक स्लीपर बस को रुकने का इशारा किया। खलासी ने कथित तौर पर उसे बताया कि बस नोएडा सेक्टर-63 जा रही है। पुलिस के अनुसार बस ग्रेटर नोएडा की एक वर्कशॉप से मरम्मत के बाद लौट रही थी और उस समय खाली थी।

सीजेपी प्रवक्ता के उकसावे के प्रयास को शशि थरूर ने चतुराई से किया विफल

-सौरव ने पीएम मोदी के खिलाफ एक पुराने बयान को दोहराने की कोशिश की थी

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास द्वारा उकसावे के प्रयास को विफल कर दिया है। सौरव दास ने पीएम मोदी के खिलाफ शशि थरूर के एक पुराने और विवादास्पद बयान को दोहराने की कोशिश की थी, लेकिन थरूर ने खुद को विवाद से दूर रखा। यह घटना तब हुई जब पीएम मोदी ने अपने निर्बाध 25 साल पूरे होने के अवसर पर नई दिल्ली स्थित श्री विनायक मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की। सौरव दास ने पीएम मोदी के शिवलिंग पर जल चढ़ाते और प्रार्थना करते हुए वीडियो को एक्स पर साझा किया। अपनी पोस्ट में उन्होंने शशि थरूर की शब्दावली की तर्ज पर क्लिष्ट और भारी-भरकम अंग्रेजी का इस्तेमाल करते हुए लिखा- मैं इसे देखकर डॉ. थरूर की एक जबरदस्त टिप्पणी की याद में खो गया। सर, क्या आपकी वाक्पटुता पर बिना कोई अनुरक्ति दबाव डाले, उस अनिर्वचनीय और आनंददायक टिप्पणी को दोहराने का आग्रह किया जा सकता है?



सौरव दास का इशारा थरूर के साल 2018 के उस चर्चित बयान की ओर था, जिसे लेकर उन पर अपराधिक मानहानि का



मुकदमा भी दर्ज हुआ था। सांसद शशि थरूर ने सौरव दास के इस उकसावे वाले ट्वीट का जवाब बेहद सादगी और चतुराई से दिया।

उन्होंने सीधे किसी भी पुराने बयान का जिक्र करने से इनकार कर दिया और लिखा- अगर मुझे जरा सा भी अंदाजा होता कि आप किस बेटे उस बिच्छू की तरह हैं, तो मुझे बिल्कुल ऐतराज नहीं होता। कृपया मेरा मार्गदर्शन करें। थरूर के इस एक वाक्य के जवाब ने सीजेपी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और इस उकसावे को हवा नहीं मिलने दी। बता दें कांग्रेस नेता शशि थरूर ने साल 2018 में आरएसएस के एक कार्यकर्ता का हवाला देते हुए कहा था कि मोदी शिवलिंग पर बैठे उस बिच्छू की तरह हैं, जिसे न तो हाथ से हटाया जा सकता है और न ही चप्पल से मारा जा सकता है। इस टिप्पणी पर बीजेपी नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई थी और इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में खूब हंगामा हुआ था। उस समय थरूर पर अपराधिक मानहानि का मामला भी दर्ज किया गया था। इस बार थरूर ने अपने जवाब से न केवल अपनी बुद्धि का प्रदर्शन किया, बल्कि अनावश्यक विवाद से भी खुद को बचा लिया।

ओडिशा में बंद से जनजीवन हुआ प्रभावित, नर्सों और आम लोगों को हुई परेशानी

-लोगों ने कहा- सरकार के खिलाफ करें प्रदर्शन लेकिन जनता को न हो परेशानी

भुवनेश्वर, एजेंसी।

ओडिशा में कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन की ओर से बुलाए गए बंद के दौरान कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ। प्रदर्शन और रास्ते बाधित होने के कारण नर्सों, अस्पताल कर्मचारियों और आम लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान कुछ नाराज लोगों का कहना था कि सरकार और जिम्मेदार नेतृत्व के खिलाफ प्रदर्शन जरूर होना चाहिए, लेकिन आमजन को परेशानी न हो इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए। आंदोलन से प्रभावित लोगों का कहना है कि सरकार के फैसलों

के प्रभाव को समझना जरूरी है और यदि किसी मुद्दे पर विरोध किया जा रहा है तो उसका उद्देश्य आम लोगों को परेशान करना नहीं होना चाहिए। जबकि एक नर्स ने कहा, प्रदर्शन के कारण उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलकर अस्पताल पहुंचना पड़ा। दरअसल विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, संशोधित एमएमडीआर अधिनियम को रद्द करने, पाठ्यपुस्तकों में कथित गलतियों पर कार्रवाई, शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड के इस्तीफे और बाह्य प्रभावित लोगों को मुआवजा देने समेत विभिन्न मांगों को लेकर बंद का आह्वान किया था। सीपीएम के ओडिशा महासचिव सुरेश पाणिग्रही ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन ने बंद को सफल बनाने के लिए पिछले 10 दिनों से प्रचार किया था।

राहुल और दीपके के आंदोलनों में बढ़ी खींचतान

चुनाव आयोग पर आरोपों का नया दौर

नई दिल्ली, एजेंसी।

हाल के वर्षों में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी पर बोट चोरी के आरोप लगाते रहे हैं। उनके इन आरोपों को उस समय और बल मिला जब एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके दोनों चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति का दावा किया गया। हालांकि, चुनाव आयोग ने बिना देरी किए इन आरोपों का खंडन किया, लेकिन नीट पेपर लोक आंदोलन से सुविधियों में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने इस मुद्दे को तुरंत धुनाने की कोशिश की। तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे से उत्साहित अभिजीत दीपके ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर दी और तत्काल आंदोलन का ऐलान कर दिया।

कॉकरोच जनता पार्टी और कांग्रेस के मुद्दे भले ही एक जैसे हों, लेकिन दोनों ही दल एक-दूसरे का खुलकर साथ देने से कतरा रहे हैं। अभिजीत दीपके जब जंतर-मंतर



पर धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे थे, तब भी राहुल गांधी वहां नहीं पहुंचे थे। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना देकर विपक्षी दलों को भी चौंका दिया था। ऐसा कहा जाता है कि कांग्रेस के इस कार्यक्रम की चर्चा बाकी विपक्षी दलों से नहीं की गई थी। बाद में उन्होंने धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे का श्रेय लेने की भी कोशिश की, हालांकि, चुनाव आयोग इन आरोपों को लगातार झुठलाता रहा है। अब जब ज्ञानेश कुमार के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है,

हैं। कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के इस मामले पर कोई भी चूक करना नहीं चाहती है, क्योंकि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ तमाम विपक्षी दल 2014 में केंद्र में भाजपा के आने के बाद से लगातार ईवीएम पर सवाल उठाते आ रहे हैं। उनका दावा है कि ईवीएम के जरिए चोटों की हेराफेरी की जाती है। हालांकि, चुनाव आयोग इन आरोपों को लगातार झुठलाता रहा है। अब जब ज्ञानेश कुमार के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है,

तो कांग्रेस अपने उन पुराने आरोपों के दम पर इस आंदोलन को अपने हाथ से नहीं निकलने देना चाहती है।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के खिलाफ बेहद आक्रामक रुख अपना लिया है। उन्होंने लगातार दो दिनों तक इस मुद्दे पर आंदोलन किया और जंतर-मंतर जाने की कोशिश की। दोनों को उससे पहले ही हिरासत में ले लिया गया और बाद में छोड़ दिया गया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बाड़ा ने इस मामले में विपक्षी इंडिया गठबंधन के घटक दलों को भी चौंका दिया है। बुधवार को जब दोनों आकाशवाणी परिसर में एक पेड़ के नीचे बैठ गए, तो उनके साथ किसी दूसरे दल के नेता नहीं दिखे। कहा गया कि किसी को भी इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। एक विपक्षी नेता ने तो नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि कांग्रेस मुद्दे को भाई-बहन का शो बनाना चाहती है। दूसरी ओर, ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर अभिजीत दीपके फिलहाल पिछड़ते नजर आ रहे हैं।

भारत में नेपाल-बांग्लादेश जैसी अराजकता फैलाना चाहती है कांग्रेस

-भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी का

आरोप- राहुल सत्ता में आने के लिए बेताब

नई दिल्ली, एजेंसी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के विरोध प्रदर्शन को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सड़क पर प्रदर्शन के जरिए भारत में नेपाल और बांग्लादेश जैसी अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सत्ता में आने के लिए बेताब हैं और विरोध प्रदर्शन के जरिए देश में अशांति पैदा करना चाहते हैं।

भाजपा प्रवक्ता भंडारी ने बुधवार के प्रदर्शन से जुड़े कुछ वीडियो फुटेज दिखाते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की। उन्होंने दावा किया कि एक वीडियो में कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिसकर्मी को धक्का देते और लात मारते दिखाई दे रहे हैं। दूसरे वीडियो के आधार पर उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी राहुल गांधी से शांतिपूर्ण



प्रदर्शन करने की अपील कर रहे थे, लेकिन राहुल ने पुलिसकर्मी को धक्का दिया। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पुलिस के साथ टकराव का वीडियो बनाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने एक अन्य वीडियो का हवाला देते हुए प्रियंका गांधी बाड़ा पर भी पुलिसकर्मियों को धक्का देने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

भंडारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग से जुड़ा मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और सड़क पर किए जा रहे प्रदर्शन का न्यायिक प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल

गांधी विरोध प्रदर्शन के जरिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर दबाव डालने और न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ अंतर्राष्ट्रीय ताकतें राहुल गांधी के साथ मिलकर भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। भंडारी ने कहा कि भारत का लोकतंत्र मजबूत और सुरक्षित है। उन्होंने राहुल गांधी के राजनीतिक उद्देश्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनका मकसद लोकतंत्र नहीं बल्कि परिवार को फिर से सत्ता में लाना है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का ओआईसी पर तीखा प्रहार: पीड़ित-दोषी में फर्क समझें

नई दिल्ली, एजेंसी।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान में भारत की आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों पर की गई टिप्पणियों को सिरे से खारिज किया, यह कहकर कि यह समूह पीड़ित और दोषी के बीच फर्क करने में असमर्थ है। पश्चिम त्रिपुरा से लोकसभा सदस्य बिप्लव कुमार देव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की छठी सत्रिमिति में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के उन्मूलन के उपाय विषय पर भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य देकर ओआईसी को कड़ी नसीहत दी।

लोकसभा सदस्य देव ने जम्मू-कश्मीर के उल्लेख पर कड़ी आपत्ति जताकर स्पष्ट



किया कि पाकिस्तान और पाकिस्तान के

कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों

के खिलाफ भारत की कार्रवाई उन्हीं स्थानों से निर्देशित और योजनाबद्ध हमलों का जवाब थी। ओआईसी पर तथ्यों और कल्पनाओं के बीच अंतर न कर पाने का आरोप लगाकर उन्होंने कहा कि भारत को सीमा पर आतंकवाद से अपने लोगों की रक्षा का पूरा अधिकार है। उन्होंने ओआईसी द्वारा जम्मू-कश्मीर के अनुचित उल्लेख की आलोचना कर पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले रावलकोट पर ध्यान देने की सलाह दी, जहाँ अंधाधुंध हत्याएं और मानवाधिकारों का हनन स्पष्ट है। ओआईसी ने अपने बयान में दक्षिण एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने और पाकिस्तान में अनुचित हमलों का जिक्र

किया, पर भारत का नाम नहीं लिया। भारत ने पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर पाकिस्तान और पोओके में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया था। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल को हुए जघन्य आतंकवादी हमले, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे, का सीधा जवाब थी। हमला पाकिस्तान स्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट ने किया था। देव ने भारत के कड़वे अनुभव को साझा कर कहा कि आतंकवाद एक लगातार और रोजमर्रा की वास्तविकता है। उन्होंने जोर दिया कि इसका हर रूप मानवता के लिए सबसे गंभीर खतरा है, जो शांति, प्रगति और मानवाधिकारों को प्रभावित

करता है। स्पष्ट किया कि अच्छे-बुरे आतंकवाद में कोई फर्क नहीं, और प्रधानमंत्री मोदी की उस टिप्पणी को दोहराया कि एक व्यक्ति की जान जाना भी बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने आतंकवादी संगठनों द्वारा भर्तों, कहरता और हमलों की योजना बनाने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों के तेजी से इस्तेमाल पर चिंता जताई। वैश्वक आतंकवाद-रोधी प्रयासों की प्रमुख समेलन (सीसीआईटी) के लागू न होने का उल्लेख किया। देव ने दोहराया कि सीसीसीआईटी को शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने से कानूनी ढांचा मजबूत होगा।

वोटर लिस्ट से काटे गए वोटरों के नाम जुड़ने तक जारी रहेगी लड़ाई

-कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का दावा- जिन लोगों के वोटिंग अधिकार छीने गए, उन्हें वापस लाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने गुरुवार को चुनाव आयोग के खिलाफ पार्टी के अभियान को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट से हटाए गए 13 करोड़ नाम वापस जोड़े जाने तक यह लड़ाई जारी रहेगी। मसूद ने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन लोगों के नाम कथित तौर पर बांग्लादेशी घुसपैठिया बताकर हटाए गए हैं, उनकी संख्या बांग्लादेश की आबादी से भी अधिक है। सांसद मसूद ने कहा कि जब तक यह कथित लूट बंद नहीं होती और जिन 13 करोड़ लोगों के मतदान अधिकार छीने गए हैं, उन्हें वापस नहीं किया जाता, तब तक विपक्ष का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने सवाल किया कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने के बाद लोकतंत्र का क्या अर्थ रह जाता है। सरकार बैकफुट पर घबराई हुई: उज्जवल रमन इस बीच कांग्रेस सांसद उज्जवल रमन सिंह ने विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्षी सांसदों, जिनमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शामिल थे, को निर्धारित विरोध स्थल तक जाने से रोका गया और पुलिस ने उन्हें वहां से हटा दिया। सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार बैकफुट पर और घबराई हुई है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करने वालों को जंतर-मंतर तक जाने की अनुमति नहीं दी जा रही और पुलिस बल का इस्तेमाल कर उन्हें वाहनों में बैठाया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए क्रिकेट के अपायार का उदाहरण दिया।